हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

11 लोहारू महापंचायत के लिए चलाया अभियान

12 सीबीएलयू में विद्यार्थियों ने ली संविधान की शपथ

69वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता अंडर-19 एथलेटिक्स महाकुंभ का शुभारंभ

स्कूली बच्चों ने दौड़ के क्वालीफाइंग मुकाबलों में दिखाया दम, हरियाणा के खिलाड़ी रहे आगे

देश को मजबूत बनाने के लिए शिक्षा एवं खेल दोनों जरूरी : सांसद धर्मबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भीम स्टेडियम में बुधवार से पांच दिवसीय खेल महाकुम्भ शुरू हो गया। प्रतियोगिता के पहले दिन 15 सौ मीटर दौड़ स्पर्धा में मेहमानों पर मेजबान भारी पड़े। उक्त स्पर्धा में हरियाणा की दो धावकों ने निर्धारित समय में 15 सौ मीटर की दौड़ पूरी करके अगले चरण में प्रवेश किया। अन्य स्पर्धाओं में भी मेजबानों का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। प्रतियोगिता के बाकी मुकाबले गुरुवार को होंगे। अंडर-19 आयु वर्ग की लड़के व लड़कियों की 69वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं (एथलेटिक्स) के महाकुंभ का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर बतौर मुख्यअतिथि भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर बवानीखेड़ा से विधायक कपूर वाल्मीकि, अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया, उप जिला शिक्षा अधिकारी शिवकुमार तंवर, बवानीखेड़ा नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री पहुंचे तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मंच का संचालन प्रवक्ता गीता, मनोज शर्मा, देवेंद्र अत्री ने किया।

- हरियाणा के खिलाड़ी बड़ी संख्या में सेनाओं में भर्ती होकर कर रहे देश सेवा : विधायक कपूर वाल्मीकि

मुख्याध्यापक जयवीर नाफरिया व पीटीआई विनोद पिंकू ने बताया कि प्रतियोगिता में लड़कियों की 1500 मीटर दौड़ में मुस्कान हरियाणा, नागिनी कर्नाटक, रिधिमा हरियाणा, चारिश्मा कर्नाटक, जाह्नवी महाराष्ट्र, खुशबू राजस्थान, दीपिका मध्य प्रदेश, मुक्ता राजस्थान, तनिष्का तमिलनाडु, स्नेहल महाराष्ट्र, सविता कुमारी हिमाचल, राजविंद्र कौर पंजाब, 400 मीटर दौड़ में खुशी उत्तर प्रदेश, निशा राजस्थान, आकांक्षा बिहार, माया पंजाब, रिया बिष्ट दिल्ली, गायत्री सतीश महाराष्ट्र, महक हरियाणा, मनदीप कौर पंजाब, कशिश महाराष्ट्र, लक्ष्मी उड़ीसा, पूनम झारखंड, रश्मिता कर्नाटक, भव्या केरल, तान्या छत्तीसगढ़, अथीना सीआईएससीई, निधि कर्नाटक, दिव्या तमिलनाडु, वंशिका हरियाणा, अतला विद्या भारती, चित्रा सिंह राणा केंद्रीय विद्यालय, संतोषी तमिलनाडु, वीना केरला, वर्षिका दिल्ली, साराबीन पश्चिम बंगाल ने क्वालीफाई किया। इसी प्रकार लड़कों की 1500 मीटर दौड़ में प्रणय गणेश महाराष्ट्र, राजन राज बिहार, अजीत कुमार विद्या भारती, ललित पुनिया राजस्थान, बादल दिल्ली, आदित्य छत्तीसगढ़, विजय बिहार, जशन प्रीत सिंह पंजाब, गोपाल मध्य प्रदेश, धीरज उत्तराखंड, अवधेश मध्य प्रदेश, विकास उत्तर प्रदेश क्वालीफाई किया।

भिवानी। आयोजित स्पर्धा में दौड़ लगाते प्रतिभागी व प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का परिचय लेकर दौड़ स्पर्धा शुरू करवाते सांसद धर्मबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास संभव : सांसद

भिवानी-महेंद्रगढ़ से सांसद धर्मबीर सिंह ने शुभारंभ करते हुए कहा कि फिट इंडिया मुहिम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के हर जिले में आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि देश के युवा स्वस्थ और फिट रहे। इसके लिए देश के सभी सांसदों व विधायकों को भी अपने-अपने क्षेत्र में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करवाने के लिए कहा गया है, जिस पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। सांसद धर्मबीर सिंह व विधायक कपूर वाल्मीकि ने कहा कि यह हरियाणा प्रदेश व भिवानी जिला के लिए गौरव की बात है कि राज्य स्तरीय भिवानी के भीम स्टेडियम में राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है।

अनेक खेल स्पर्धा होंगी आयोजित

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया ने कहा कि पांच दिनों तक चलने वाली इस एथेटिक्स खेल प्रतियोगिता में विभिन्न मीटर की दौड़, चक्का फेंक, गोला फेंक, ऊंची कूद, बाधा दौड़, ट्रिपल जंप आदि खेलों का आयोजन करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है। जो युवा समय व अनुशासन का पालन करते हैं, उन्हे आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। प्रतियोगिता के आयोजन में बिजेंद्र पुनिया, एथलेटिक्स ऑब्जर्वर रणवीर सिंह, प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रामअवतार शर्मा, टूर्नामेंट नोडल अधिकारी सत्यवान कोच, डॉ. अनिल कुमार, श्रीभगवान एईओ, कुलदीप महला, देवेंद्र अत्री, विनोद पिंकू पीटीआई, राजेश्वर डीपीई, प्रीतपाल, अरविंद, दयानंद, रविंद्र, राजेश, मदन गोपाल पीजीटी, कुलदीप, बलवंत, सुखदेव का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसमें विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिली। प्रतियोगिता के दौरान स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की फील्ड ऑफिसर सुशीला सिंह और धीरेंद्र सिंह भी मौजूद रहेंगे। निर्णायक मंडल में यशपाल चौपड़ा, राकेश सिवाच रोहतक, जितेंद्र बांगड़, कुलदीप अहलावत, राजेश कुमार, सुधीर कुमार, प्रीतपाल कंपीटीशिन मैनेजर, राजेश प्रवक्ता, संजय कोच, देवेंद्र कोच, रामपाल बहल, देवेंद्र अत्री, जीतपाल, अरविंद रहे।

खबर संक्षेप

सुधीर दिशा कमेटी के सदस्य नियुक्त

बाढड़ा। केन्द्र सरकार ने सांसद धर्मबीर सिंह के नजदीकी व भिवानी केन्द्रीय सहकारी बैंक के चेयरमैन सुधीर चांदवास को एक महत्वपूर्ण कमेटी में शामिल किया है, जिससे उनके समर्थकों में खुशी की लहर है। केन्द्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने सुधीर चांदवास चेयरमैन को राज्य विकास एवं निगरानी समिति हरियाणा सरकार की दिशा कमेटी में सदस्य बनाया। इस कमेटी की अध्यक्षता सीएम नायब सिंह सैनी करते हैं और दोनों सदनों के 3 सांसदों के अलावा सभी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव इनके सदस्य होते हैं जिनमें एक गैरसरकारी सदस्य के रूप में सुधीर चांदवास को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पैनल अधिवक्ता देंगे मुफ्त कानूनी सेवाएं

लोहारू। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा लोहारू उपमंडल के गांव सोहासड़ा तथा बहल के पंचायत घरों में दिसम्बर माह के लिए विलेज लीगल केयर एंड सपोर्ट सेंटर स्थापित किए गए हैं। इन लीगल पॉली क्लीनिक में सायं दो बजे से पांच बजे तक पैनल अधिवक्ता और अधिकार मित्र (पीएलवी) प्रत्येक रविवार लोगों को कानूनी सेवाएं देंगे। उपमंडल कानूनी सेवाएं समिति के अध्यक्ष एवं एसीजे एसडी देवेंद्र सिंह द्वारा जारी आदेशों के तहत गांव सोहासड़ा तथा बहल के पंचायत घरों में दिसम्बर माह के दौरान दोपहर बाद 2 बजे से 5 तक प्रत्येक रविवार को पैनल अधिवक्ता कानून रूप से जागरूक करने के लिए अपनी सेवाएं देंगे।जरूरतमंद व्यक्ति को नालसा व कानूनी प्राधिकरण की स्कीमों की जानकारी देंगे। कानूनी जागरुकता शिविरों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

परिवेदना समिति की बैठक आज

चरखी दादरी। जिला में नागरिकों की शिकायतों के शीघ्र एवं स्थायी निपटान के उद्देश्य से गठित जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक वीरवार 27 नवंबर को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित की जाएगी। सुबह 9 बजे हाने वाली इस बैठक की अध्यक्षता कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा करेंगे।

इस संबंध में जानकारी देते हुए सीटीएम प्रीति रावत ने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित परिवादों को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, ताकि प्रत्येक प्रकरण पर आवश्यक विचार-विमर्श कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। सीटीएम ने कहा कि 14 शिकायतों को सुना जाएगा जिनमें 8 लंबित और 6 नई शामिल हैं।

नगर पालिका के प्रधान के खिलाफ कई पार्षदों ने खोला मोर्चा

नपा हाउस की बैठक स्थगित करने पर भड़के पार्षद, एसडीएम और सचिव को सौंपा ज्ञापन

- पार्षद बोले- आठ माह में केवल दो बार ही हुई हाउस की बैठक, विकास कार्यों पर नहीं हो रही चर्चा
- प्रधान ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा- अब 10 दिसंबर को बुलाई जाएगी हाउस की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

लोहारू नगर पालिका के प्रधान और कई वार्ड पार्षदों के बीच अब ठनती नजर आ रही है। दरअसल 26 नवंबर को नगर पालिका हाउस की बैठक बुलाई गई थी लेकिन नगर पालिका प्रधान द्वारा इस बैठक को स्थगित कर दिया, जिससे शहर के कई पार्षद नाराज हो गए। बाद में गुस्साए पार्षदों ने मीडिया के समक्ष रोष प्रकट किया और बाद में नगर पालिका प्रधान पर मनमानी का आरोप लगाते हुए नपा सचिव तेजपाल सिंह, एसडीएम लोहारू को ज्ञापन प्रेषित किया। पार्षदों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, जिला उपायुक्त और एडीसी के नाम भी ज्ञापन भेजा है। बुधवार को नगर पालिका पहुंचे नपा उपप्रधान प्रतिनिधि विपिन सैनी, पार्षद अंतरसिंह, जयसिंह सैनी, संतलाल, अजय शर्मा, रवि केडिया, नॉमिनेटेड पार्षद विजेंद्र सिंह, पार्षद प्रतिनिधि अश्विनी सैनी व रवि कुमार आदि ने ज्ञापन में नपा हाउस की बैठक स्थगित किए जाने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बताया कि आठ महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नगरपालिका हाउस की महज दो ही बैठक हुई है। बुधवार को हाउस की अहम बैठक होनी थी, जिसमें शहर के लोगों की पीआईडी, शहर के विकास कार्यों सहित कई मुद्दों पर चर्चा होनी थी लेकिन नपा प्रधान ने बैठक को स्थगित कर दिया। पार्षदों ने नपा प्रधान पर मनमानी करने का आरोप लगाया है।

लोहारू। नगर पालिका सचिव को शिकायत की प्रति सौंपते वार्ड पार्षद व प्रतिनिधि।

पार्कों के रखरखाव का अटका काम

पार्षदों ने बताया कि पुराने शहर में गंदे पानी निकासी के लिए बनने वाले नाले के कार्य को बजट का बहाना बनाकर निरस्त कर दिया गया है। यहीं नही शहर के पार्कों के रखरखाव के लिए प्रयास संगठन को जिम्मेदारी देने के लिए शहर के दस पार्षदों की सहमति होने के बाद जिम्मेदारी नहीं दी जा रही। पार्षदों का आरोप है कि आपसी स्वार्थ के चलते पुराना शहर के वाल्मीकि चौक से झुप्पा रोड तक बनने वाले सड़क मार्ग को भी बीच में रुकवा दिया। नाराज पार्षदों ने नगरपालिका प्रधान के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए बुधवार को नगरपालिका सचिव, एसडीएम लोहारू को ज्ञापन प्रेषित किया है। पार्षदों ने बताया कि उन्होंने इसकी शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपायुक्त, डीएमसी भिवानी और एडीसी भिवानी को भी भेजी है।

मनमानी के आरोप निराधार : प्रधान

नगर पालिका प्रधान प्रदीप तायल ने कहा कि वे किसी प्रकार की मनमानी नहीं कर रहे हैं, सभी पार्षदों की सहमति से शहर के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। लगभग सभी वार्डों में विकास कार्य प्रगति पर हैं। निजी कारणों से हाउस की बैठक स्थगित की गई है तथा आगामी बैठक 10 दिसंबर को बुलाई गई है। जिसमें शहर के विकास पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि पुराने शहर में नाले के निर्माण कार्य में तकनीकी दिक्कत थी, उसे दूर करके आगामी कार्य किया जाएगा। जिसके लिए अधिकारियों को बोला गया है।

भिवानी। मांगों को लेकर शहर में प्रदर्शन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

चार लेबर कोड के विरोध में सड़कों पर उतरे मजदूर-किसान व कर्मचारी

भिवानी। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों व संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर देश व प्रदेश की मजदूर-किसान व कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ भिवानी जिले के सैकड़ों मजदूर-किसान व कर्मचारियों ने स्थानीय नेहरू पार्क में इकट्ठा होकर उपायुक्त कार्यालय तक प्रदर्शन किया व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में चार लेबर कोड, स्मार्ट मीटर योजना रद्द करने, एमएसएस की कानूनी गारंटी, सभी फसलों की खरीद, 26 हजार रुपये न्यूनतम वेतन, कच्चे कर्मचारियों समेत परियोजना कर्मीयों, ग्रामीण चौकीदार, सफाई कर्मी, वन मजदूरों को पक्का करने, नीजिकरण पर रोक लगाने, निर्माण मजदूरों की बंद साइट खोले जाने व यूनियनों की तसदीक की अर्थोटी देने, मनरेगा लागू करने व 200 दिन काम व 600 रुपये दिहाड़ी लागू करने, बाढ़ प्रभावित किसान मजदूरों को मुआवजा की मांग की गई। आज के संयुक्त विरोध प्रदर्शन व सभा की संयुक्त अध्यक्षता सीटू नेता सदीक डाडम, इंटक नेता नरेश कलियाणा, एटक नेता ईश्वर शर्मा, किसान सभा से संतोष देशवाल, एआईकेकेएमएस से राजेश, एआईयूटीयूसी से राजकुमार बासिया, सर्व कर्मचारी संघ से सुरेन्द्र दिनोद, रिटायर्ड कर्मचारी संघ से रामचन्द्र सैनी ने संयुक्त रूप से की।

भिवानी। मांगों को लेकर अधिकारी को मांगपत्र सौंपते हुए।

रूपा चंपा गली में समस्याओं का अंबार, किया प्रदर्शन

भिवानी। शहर की रूपा चंपा गली के निवासी मूलभूत सुविधाओं के अभाव और प्रशासन की लगातार अनदेखी से अब आजिज आ चुके हैं। इसी आक्रोश के चलते बुधवार को डीवाईएफआई के भिवानी जिला संयोजक अनुराग के नेतृत्व में स्थानीय निवासियों ने जोरदार प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गली की सबसे बड़ी समस्या सीवर व्यवस्था है। पिछले करीब डेढ़ महीने से यहां सीवर खुला पड़ा है। इसकी वजह से ना केवल पूरी गली में दुर्गंध फैली रहती है, बल्कि गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा भी बना हुआ है। निवासियों का आरोप है कि इस बाबत कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक किसी ने भी इस समस्या की सुध नहीं ली है। प्रदर्शन के दौरान गली में अव्यवस्थित ढंग से लटक रही बिजली की तारों का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया गया। लोगों ने बताया कि ये तारें इतनी नीचे लटक रही हैं कि राह चलते लोगों के इनमें उलझने और करंट लगने का खतरा हर वक्त बना रहता है। मौके पर मौजूद डीवाईएफआई जिला संयोजक अनुराग ने प्रशासन को चेतावनी दी।

- सीवर और लटकते तारों से परेशान हो डीवाईएफआई के नेतृत्व में खोला मोर्चा

भिवानी। मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए।

मकान में शॉर्ट सर्किट से आग, भारी नुकसान

तोशाम। दुर्गा माता मंदिर मोहल्ले में स्थित एक मकान में बुधवार सुबह शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। जिससे हजारों रुपए का घरेलू सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही की आसपास के लोगों की मदद से समय रहते आग पर काबू पा लिया अन्यथा आग आसपास के मकानों को भी अपने आगोश में ले सकती थी जिससे एक बड़ा हादसा घटित हो सकता था। मकान मालिक सूरज मुटरेजा तथा मनीष मुटरेजा ने बताया कि बुधवार सुबह उनके परिवार के सभी सदस्य नीचे थे करीबन 9 बजे ऊपर कमरे में शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। उन्हें आग लगने का पता भी नहीं लगा लेकिन जब आग बढ़ने लगी और आसपास के लोगों ने कमरे के अंदर से धुआं उठता देखा तो आसपास के लोगों ने उन्हें बताया कि ऊपर कमरे में से धुआं निकल रहा है। सूचना मिलते ही वह तुरंत ऊपर आए और देखा कि कमरे में आग लगी हुई थी दरवाजे तथा जंगले से धुआं निकल रहा था। तब उन्होंने आसपास के लोगों की मदद से पानी डालकर आग पर काबू पाया लेकिन तब तक कमरे में रखा हजारों रुपए का घरेलू सामान आग की चपेट में आ चुका था और वह सारा सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर है घर में जो सामान था वह जलकर राख हो गया है। जिसको लेकर प्रशासन मुआवजा या मदद मुहैया करवाए।

- ऊपरी हिस्से से ज्यादा धुआं उठने पर परिवार को आग का पता चला

तोशाम। तोशाम में आग से जला सामान।

जिले में किसानों के लिए पर्याप्त है खाद : उपायुक्त

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने जिला में कृषि विभाग के अधिकारियों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि विभाग के अधिकारी इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी दुकानदार किसानों को खाद बेचते समय अन्य कोई भी आइटम जबरदस्ती ना दे। सरकार के निर्देशों के अनुसार कोई भी दुकानदार ऐसा नहीं कर सकता है। अगर कोई ऐसा करता पाया जाता है तो उस के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाएं। बुधवार को उपायुक्त ने खाद उपलब्धता को लेकर कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि जिले में खाद की कोई कमी नहीं है और किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विभाग के अधिकारी इस बात को सुनिश्चित करे कि प्रत्येक दुकानदार अपनी दुकान के बाहर उनके पास उपलब्ध खाद के स्टॉक का बोर्ड जरूर लगवाएं और अधिकारी स्टॉक बोर्ड पर सुबह व शाम खाद की उपलब्धता अंकित करना सुनिश्चित करवाएं। इसके अलावा स्टॉक बोर्ड में कृषि विभाग के उपनिदेशक या एसडीओ का फोन नंबर भी जरूर चस्पा हो।

- यूरिया व डीएपी खाद के साथ कोई भी दुकानदार नहीं दे सकता अन्य सामग्री

तैयारी गीता महोत्सव को हर्षोल्लास व भव्य रूप से बनाने के दिए निर्देश

डीसी ने लिया गीता जयंती महोत्सव की तैयारियों का जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को साथ लेकर किरोड़मल पार्क का दौरा किया और यहां पर 29 नवंबर से एक दिसंबर तक आयोजित होने वाले जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गीता जयंती महोत्सव को भव्य व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाए। सभी वर्ग के लोगों को गीता महोत्सव में शामिल किया जाए। उन्होंने नगर परिषद को निर्देश दिए कि पार्क परिसर की सफाई व्यवस्था दुरूस्त की जाए। डीसी साहिल गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश देते हए बताया कि गीता जयंती महोत्सव में प्रतिदिन सुबह नौ से दस बजे गीता हवन यज्ञ एवं पाठ होगा। इसके अलावा महोत्सव के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें विभागों की नवीनतम योजनाओं की जानकारी दी जाए।

भिवानी। समारोह स्थल का निरीक्षण करते उपायुक्त। फोटो : हरिभूमि

स्टॉल लगाने वाले विभाग

गीता जयंती महोत्सव स्थल पर यातायात पुलिस और सचिव प्रादेशिक परिवहन, जिला रेडक्रॉस सोसायटी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला कल्याण विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, कृषि विभाग, बागवानी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बिजली निगम, स्वास्थ्य विभाग, नगर परिषद, अग्रणी बैंक, राष्ट्रीय आजीविका मिशन ग्रामीण, राष्ट्रीय आजीविका मिशन शहरी, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, आयुष विभाग, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, पोस्ट ऑफिस बैंक स्टॉल लगाकर अपने-अपने विभागों की जन कल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं की जानकारी देंगे। इसके अलावा सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं में जीओ गीता और श्रीकृष्ण कृपा समिति, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी आश्रम ताइयान पाना-बीके सुमित्रा, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी आश्रम रूद्रा कॉलोनी-बीके रजनी, द चंद्र शेखर आजाद ग्रुप -भारत स्काउट एंड गाईड, स्वतंत्रता सेनानी उतराधिकारी कल्याण संगठन, नव दुर्गा सहयोग संस्था, विहिप, महात्मा ज्योतिबा फूले धर्मार्थ ट्रस्ट, भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति और महावीर जैन विद्यालय शामिल हैं। इस दौरान सीईओ जिला परिषद अजय चोपड़ा, एसडीएम महेश कुमार, सीटीएम अनिल कुमार, जीओ गीता के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

आध्यात्मिक प्रदर्शनी लगेगी : बीके सुमित्रा

भिवानी। भिवानी में 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक किरोड़ीमल पार्क में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जा रहे गीता जयंती कार्यक्रम के तहत प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धि धाम द्वारा आध्यात्मिक स्टॉल लगाई जाएगी। शाखा प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने बताया कि इस स्टॉल के माध्यम से आगंतुकों को गीता ज्ञान के बारे में विस्तृत जानकारी दे उन्हें आध्यात्म के बारे में जागरूक किया जाएगा। उन्होंने अपील की कि जनता इस प्रदर्शनी का लाभ उठाएं।

स्पर्श-ऊर्जा का अनोखा एहसास कराए वूल योगा

योगा करने से तन-मन को लाभ तो होता ही है। लेकिन इन सर्दियों में अगर उसे करते समय वूलेन ड्रेस पहनी जाए तो आपको स्पर्श संवेदना के साथ ऊर्जा का अनोखा एहसास भी होगा। वूल योगा युवाओं को क्यों भा रहा है और इससे किस तरह के फायदे हैं, जानिए।

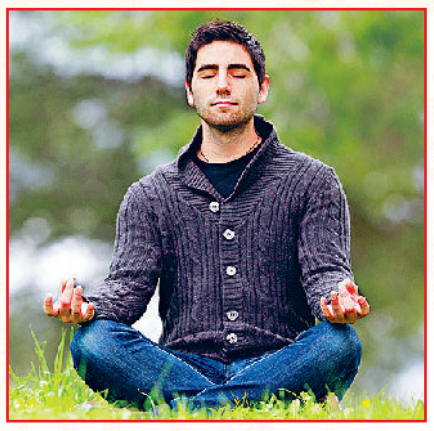

योगा ट्रेंड

दिव्यज्योति 'नंदन'

नवंबर-दिसंबर की ठंडी सुबहें जब कांच-सी पारदर्शी धुंध में लिपटी होती हैं, तब योगाभ्यास करने से अधिकतर लोग कतराने लगते हैं। लेकिन इन दिनों कुछ ऐसे युवा भी हैं, जो गर्म अहसास बनाए रखने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं, उन्हीं में से एक है- 'वूल योगा' यानी ऊनी वस्त्रों के साथ योगाभ्यास की वह शैली, जो तन और मन दोनों को स्पर्श के रोमांच से जोड़ती है।

योग में स्पर्श का एहसासः आमतौर पर हम योगाभ्यास को श्वास, आसन तथा ध्यान से जोड़ते हैं। मगर योग का एक बहुत गहरा रिश्ता स्पर्शबोध से भी है। वूल योगा दरअसल, इसी भूले हुए आयाम को फिर से जीवित करता है। जब शरीर ऊनी वस्त्रों से लिपटा होता है, ऊनी शॉल, ऊनी मैट या ऊनी स्वेटर तब त्वचा केवल गर्म अनुभव नहीं करती, बल्कि एक अनुभव से भी गुजरती है। यह स्पर्श का अनुभव है, जो शरीर को गर्माइश से भर देता है। योगिक दृष्टि से देखा जाए, तो स्पर्श इंद्रिय यानी त्वचा, शरीर की ऊर्जा धाराओं से सीधे जुड़ी होती है। जब हम प्राकृतिक ऊन के रेशों से बने वस्त्र पहनकर ध्यान लगाते या योगाभ्यास करते हैं, तो वह न सिर्फ हमें ऊर्जा या गर्माइश देता है बल्कि प्राणिक ऊर्जा को भी स्थिर करता है।

शरीर-प्रकृति के बीच पुलः ऊन को हम सामान्यतः सिर्फ गर्म कपड़े के रूप में जानते हैं, लेकिन योगिक दृष्टिकोण से यह कपड़ा 'जीवित वस्त्र' है। हर रेशा एक सूक्ष्म ऊर्जा वाहक की तरह काम करता है। न बहुत ठंडा, न बहुत गर्म। दरअसल, ऊन शरीर और प्रकृति के बीच ऊर्जा का एक पुल बनाती है। यही वजह है कि आजकल कई योग प्रशिक्षक, युवाओं को सलाह देते हैं कि वे सर्दियों में ध्यान या प्राणायाम करते समय सिंथेटिक की जगह ऊन या खादी के वस्त्र पहनें। क्योंकि इन कपड़ों से हमारे शरीर की त्वचा सांस लेती है और ऊर्जा संतुलित रहती है। इससे ध्यान की अवधि स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

संवेदना को जगाएः आज के युवा फैशन को केवल दिखावे के रूप में नहीं लेते बल्कि व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के रूप में भी देखते हैं। वूल योगा इसी मानसिकता का नया विस्तार है। जहां ऊनी शॉल, जूट मैट, हस्त निर्मित जैकेट और मिट्टी के रंग वाले कपड़े सिर्फ पहनावा नहीं बल्कि आपकी संवेदना की बयानगी करते हैं। दरअसल, वूल योगा इसी सौंदर्यशास्त्र का विस्तार है, जहां फैशन ध्यान में घुल-मिल जाता है और ध्यान खुद फैशन बन जाता है।

मिलती है भीतरी गर्मीः वूल योगा का सबसे अनोखा पहलू यह है कि यह युवाओं को स्पर्श के रोमांच से जोड़ता है, जो रोमांच किसी शारीरिक उत्तेजना का नहीं बल्कि जीवंतता के एहसास का होता है। जब किसी ठंडी सुबह में आप ऊनी आसन पर बैठकर ध्यान लगाते हैं तो कपड़े का हर रेशा त्वचा को एहसास दिलाता है कि शरीर अभी सचेत और ऊर्जावान है। इस अनुभव में एक गहरी मनोवैज्ञानिक वास्तविकता होती है, क्योंकि आधुनिक डिजिटल युग में हम शरीर से भी दूर होते जा रहे हैं और स्क्रीन ने हमारी स्पर्श संवेदना को कुंद कर दिया है। वूल योगा इसी कुंद हो चुकी स्पर्श संवेदना या टच सेंसेशन से हमें पुनः जोड़ता है। यह एक ऐसी अनुभूति है, जो हमें संवेदनशील होने का एहसास कराती है।

मिलता है नया अनुभवः वूल योगा, इस बात का प्रमाण है कि योग कोई जड़ या स्थिर गतिविधि नहीं है। इसे हम नई से नई जीवंत गतिविधियों से जोड़ सकते हैं। सर्दी के मौसम में युवाओं के लिए यह सिर्फ एक फिटनेस रूटीन नहीं है बल्कि शरीर और कपड़ों के बीच के संवेदनशील संवाद का अनुभव है। इसलिए हर वह युवा जो ऊनी शॉल ओढ़कर ध्यान लगता है, वास्तव में वह अंजाने में यही कर रहा होता है, जो अपने शरीर को महसूस करता है, वो योग के सबसे शुद्ध संस्करण तक पहुंचते हैं और यह वही जगह है, जहां साधक अपने शरीर, कपड़े और स्पर्श तीनों को योग की अनुभूति में बदल देता है। *

स्पेशल वर्ल्ड एड्स-डे 1 दिसंबर

डॉक्टर्स एडवाइस

एचआईवी संक्रमण और एड्स को लेकर अभी भी कई तरह के भ्रम समाज में मौजूद हैं। जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि सावधानी बरतकर और जागरूकता से न केवल इससे बचा जा सकता है, बल्कि नियंत्रित भी किया जा सकता है। यहां एक्सपर्ट डॉक्टर्स बता रहे हैं कि एड्स कैसे हो सकता है, इसके लक्षण क्या हैं, इससे कैसे बचाव हो सकता है इसका उपचार कैसे किया जा सकता है?

जागरूकता-सावधानी से संभव है एड्स की रोकथाम

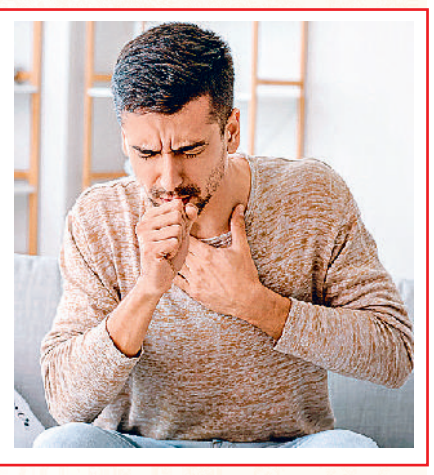

हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। यह सिर्फ एक वार्षिक अभियान नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को एचआईवी/एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करने, इसके खिलाफ लड़ाई को तेज करने और संक्रमित लोगों के साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार की पहल का दिन है। इसका मकसद लोगों को एचआईवी संक्रमण, उसके लक्षण, रोकथाम, उपचार और मिथकों के बारे में सही जानकारी देना है, ताकि समाज में फैले डर, भेदभाव और गलत धारणाओं को खत्म किया जा सके।

एड्स-एचआईवी में अंतर

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय** बताते हैं, 'एड्स और एचआईवी को अकसर एक ही बीमारी माना जाता है, लेकिन सच यह है कि दोनों बिल्कुल अलग अवस्थाएं हैं। एचआईवी एक ऐसा वायरस है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यून सिस्टम पर हमला करता है, जबकि एड्स इस संक्रमण का सबसे अंतिम और गंभीर चरण होता है, जब शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बेहद कमजोर हो जाती है और सामान्य संक्रमण भी जानलेवा बन सकते हैं। अच्छी बात यह है कि अगर समय पर एचआईवी की पहचान हो जाए और मरीज तुरंत एआरटी थेरेपी शुरू कर दे, तो वह लंबे समय तक बिल्कुल सामान्य जीवन जी सकता है और एड्स तक पहुंचने से भी बच सकता है। आधुनिक दवाइयां वायरस को पूरी तरह खत्म तो नहीं करतीं, लेकिन उसकी मात्रा इतनी कम कर देती हैं कि वह शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता और दूसरे लोगों तक भी लगभग नहीं फैलता।'

भारत में एचआईवी की स्थिति

अपने देश में एचआईवी की कंडीशन के बारे में श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली में डायरेक्टर-इंटरनल मेडिसिन एंड इंफेक्शन डिजीज, **डॉ. अरविंद अग्रवाल** बताते हैं, 'भारत में एचआईवी की स्थिति के बारे में बात करें तो यह अभी भी एक अहम स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के मुताबिक भारत में लगभग 23 लाख लोग एचआईवी के साथ जीवन जी रहे हैं और हर साल कई नए मामले सामने आते हैं। हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में संक्रमण कम हुआ है। सरकार और कई संस्थाओं के प्रयासों से लोगों में जागरूकता बढ़ी है और एआरटी दवाएं भी आसानी से उपलब्ध हो रही हैं, जिससे मरीजों को काफी मदद मिलती है। इसके बावजूद गांवों और छोटे शहरों में जानकारी की कमी, समाज का डर बना हुआ है, इसे दूर किए जाने की जरूरत है।'

एचआईवी कैसे फैलता है

एचआईवी संक्रमण कैसे फैलता है, इस बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर के कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. रोहित शर्मा** क्लीयर करते हैं, 'एचआईवी कैसे फैलता है, इसे लेकर लोगों में आज भी कई गलतफहमियां हैं, इसलिए सही जानकारी बेहद जरूरी है। एचआईवी संक्रमण सिर्फ चार वैज्ञानिक रूप से सिद्ध तरीकों से ही फैलता है, असुरक्षित यौन संबंध बनाने से, संक्रमित सुई या ब्लेड का उपयोग, संक्रमित खून चढ़ाने से और मां से बच्चे में गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान। इन चार तरीकों के अलावा किसी भी सामान्य गतिविधि से एचआईवी नहीं फैलता। साथ बैठने, साथ खाने, हाथ मिलाने, कपड़े या टूथब्रश जैसे सामान साझा करने, या मच्छर के काटने से यह संक्रमण नहीं होता। फिर भी इन मिथकों के कारण लोग एचआईवी मरीजों से दूरी बनाते हैं, जिससे उन्हें सामाजिक भेदभाव और मानसिक तनाव झेलना पड़ता है। सही जानकारी ही इस कलंक को खत्म कर सकती है।'

एचआईवी के शुरुआती लक्षण

एचआईवी संक्रमण की शुरुआत में कई बार कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे लोग इसे सामान्य थकान या मौसम बदलने की बीमारी समझ लेते हैं। कुछ मामलों में शुरुआती हफ्तों में फ्लू जैसे लक्षण दिख सकते हैं-जैसे हल्का बुखार, लगातार थकान, गले में खराश, शरीर पर हल्के दाने या बिना कारण वजन कम होना। चूंकि ये लक्षण आम बीमारियों जैसे लगते हैं, लोग अकसर एचआईवी टेस्ट कराने से बचते हैं और संक्रमण बढ़ता जाता है। इसी वजह से डॉक्टर सलाह देते हैं कि जोखिम की स्थिति में समय पर एचआईवी टेस्ट जरूर करवाना चाहिए, ताकि बीमारी को शुरुआत में ही नियंत्रित किया जा सके।

सावधानी से संभव है रोकथाम

विश्व एड्स दिवस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। एचआईवी से बचने के लिए कुछ सरल लेकिन बेहद प्रभावी उपाय अपनाने चाहिए, जैसे हमेशा सुरक्षित यौन संबंध बनाना, एक ही साथी के साथ संबंध रखना, किसी भी सुई या ब्लेड का दोबारा उपयोग न करना, केवल जांच किए हुए और प्रमाणित खून ही चढ़वाना और गर्भवती महिलाओं का समय पर एचआईवी टेस्ट कराना। इसके साथ ही जागरूक रहना और दूसरों को भी सही जानकारी देना बेहद जरूरी है। ये कदम न केवल व्यक्ति को सुरक्षित रखते हैं बल्कि समाज में संक्रमण की रफ्तार भी काफी हद तक कम कर देते हैं।

सही नहीं भेदभाव करना

हालांकि इलाज और जागरूकता बढ़ी है, फिर भी एचआईवी संक्रमित लोगों को समाज में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्हें नौकरी देने में हिचकिचाहट, घर या स्कूल में दूरी, रिश्तों में समस्याएं और सामाजिक तिरस्कार जैसी चुनौतियां झेलनी पड़ती हैं, जो बीमारी से ज्यादा मानसिक रूप से प्रभावित करती हैं। विश्व एड्स दिवस इसी भेदभाव को खत्म करने की अपील करता है। समाज का सम्मान और सहयोग संक्रमित व्यक्ति की सबसे बड़ी जरूरत है। स्कूलों में यौन शिक्षा देना, युवाओं में जागरूकता फैलाना और संक्रमित लोगों का सम्मानपूर्वक सहयोग करना- ये सभी कदम संक्रमण को कम करने में भूमिका निभाते हैं। यदि समाज एकजुट होकर काम करे तो एचआईवी को रोकना संभव है।*

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

एआरटी थेरेपी है काफी कारगर

एक समय एचआईवी को जानलेवा बीमारी माना जाता था, लेकिन आधुनिक चिकित्सा ने इसकी तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। आज उपलब्ध एआरटी मरीज को लंबा, सामान्य और स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाती है। इससे शरीर में वायरस की मात्रा काफी कम हो जाती है, जिससे संक्रमण दूसरों तक फैलना लगभग रुक जाता है और मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। भारत सरकार भी कई केंद्रों पर एआरटी की दवाएं मुफ्त उपलब्ध कराती हैं, जिससे लाखों लोग नियमित इलाज ले पा रहे हैं और अच्छा जीवन जी रहे हैं।

हर्बल जोन

रेखा देशराज

सर्दियों में गर्माहट का एहसास कराए लेमन ग्रास

सर्दियों के लिए लेमन ग्रास, बहुत खास हर्ब मानी जाती है। इसलिए इसे सर्दियों की 'वार्मिंग हर्ब' कहा जाता है। क्योंकि यह केवल स्वाद या सुगंध का स्रोत नहीं है बल्कि यह प्राकृतिक रूप से गर्माहट देने वाली जड़ी-बूटी है, इसलिए ठंड के प्रारंभिक दिनों में लेमन ग्रास के सेवन से कई फायदे होते हैं।

बढ़ाए रोग प्रतिरोधक क्षमताः लेमन ग्रास में कुदरती रूप से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का गुण होता है, इसलिए सर्दियों की शुरुआत में जब शरीर खांसी, जुकाम और बुखार के संक्रमण से पीड़ित होता है, तब इसका इस्तेमाल लाभकारी होता है। लेमन ग्रास में सिंट्रल और जेरोनियोल जैसे यौगिक मौजूद होते हैं, इसलिए ये बैक्टीरिया, वायरस और फंगस से लड़ने की जबरदस्त क्षमता रखते हैं। जब हम सर्दियों में लेमन ग्रास का चाय के रूप में या एरोमा थेरेपी के रूप में इस्तेमाल करते हैं, तो इससे बहुत फायदे मिलते हैं। इससे शरीर की इम्यूनिटी मजबूत होती है और मूड शांत होता है। शुरुआती सर्दियों में लेमन ग्रास का बेहतर उपयोग करने के लिए एक कप पानी में एक इंच लेमन ग्रास का टुकड़ा या फिर इसके सूखे पत्ते डालकर पांच-सात मिनट तक उबालना चाहिए। अगर इस पानी में अदरक, तुलसी और शहद भी मिला दिया जाए, तो फायदे कई गुना ज्यादा बढ़ जाते हैं।

कई रोगों से बचाएः लेमन ग्रास की चाय पीने से सर्दी, जुकाम और गले की खराश में राहत मिलती है। पेट की गैस, अपच और भारीपन से भी राहत मिलती है। लेमन ग्रास की भाप या इसकी चाय का नियमित इस्तेमाल करने से हमारे रेस्पिरेटरी सिस्टम को मजबूती मिलती है। क्योंकि इस मौसम में यह श्वसन तंत्र को खोलती है और हमारे गले की खराश को कम करती है। लेमन ग्रास में एक रासायनिक उत्प्रेरक शक्ति होती है, जिसके चलते यह बलगम को पतला करके उसे शरीर से निकालने में विशेष रूप से मदद करती है। इसलिए कुछ लोग सर्दियों में लेमन ग्रास को कफ फ्रेंडली हर्ब के रूप में भी जानते हैं, क्योंकि लेमन ग्रास का मूल स्वभाव उष्ण यानी गर्म होता है। मतलब यह हमारे रक्त संचार को बढ़ाती है, जो कि ठंड के मौसम में धीमा हो जाता है। लेमन ग्रास की चाय पीने से हमारे शरीर की सुस्ती और ठिठुरन कम होती है। क्योंकि जब हम लेमन ग्रास की चाय पीते हैं तो शरीर में इसके प्रभाव से एनर्जी पैदा होती है और मेटाबॉलिज्म की गति बढ़ जाती है। लेमन ग्रास के कुछ टुकड़ों को दालचीनी और तुलसी के साथ सूप बनाकर पीया जाए, तो बड़ा फायदा मिलता है क्योंकि यह प्राकृतिक डिटॉक्स की तरह काम करता है।

लेमन ग्रास बाथः इस मौसम में गुनगुने पानी में लेमन ग्रास की पत्तियां या तेल डालकर 15 से 20 मिनट तक पैरों को उस गुनगुने पानी में डुबोकर रखें और फिर गुनगुने पानी से स्नान कर लिया जाए, तो थकान की समस्या पूरी तरह से दूर हो जाती है। *

अवेयरनेस

अपराजिता

किसी की डेथ के बाद अगर उसके कुछ अंगों का दान कर दिया जाए तो दूसरे कई लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। लेकिन अवेयरनेस के अभाव में ऐसा नहीं हो पाता है। 27 नवंबर, राष्ट्रीय अंगदान दिवस के अवसर पर, इस बारे में जानिए।

अंग दान से मिल सकता है कई लोगों को जीवनदान

आज का दौर, चिकित्सकीय दृष्टि से क्रांति का दौर कहा जा सकता है। पिछले एक दशक में बायो क्षेत्र में जितनी तकनीकी प्रगति हुई है, उतनी शायद ही किसी दूसरे दौर में हुई हो। बावजूद इसके जीवन रक्षा के लिए आज भी तकनीक से ज्यादा जरूरी अंग दान ही है, क्योंकि अंग प्रत्यारोपण की तकनीक तो बहुत तेजी से विकसित हुई है, लेकिन अभी भी कृत्रिम अंगों की वह विश्वसनीयता नहीं हासिल हो सकी, जो आज भी मानवीय अंगों को है। सवाल है, इस बीच में लोगों का जीवन बचाने और बेहतर बनाने का उपाय क्या हो सकता है? तो इस सवाल का सबसे आसान जवाब यही है अंग दान।

अंगदान की बढ़ती मांगः अकेले भारत में ही हर साल 63 हजार लोगों को गुर्दा प्रत्यारोपण यानी किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है। लेकिन हर साल अंगदान के रूप में हासिल होने वाली किडनियों की संख्या 3000 से भी कम होती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि अंग प्रत्यारोपण की जरूरत जिस रफ्तार से बढ़ रही है। इसी तरह हर साल भारत में 22,000 लोगों को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत है, मगर मुश्किल से 800 से 900 लोगों को ही अंगदान के जरिए यह सुविधा प्राप्त हो पाती है। भारत में प्रति 10 लाख लोगों के बीच अंगदान की दर 0.3 से 0.8 के आस-पास है।

अवेयरनेस की है कमीः सामाजिक जागरूकता और नीति प्रक्रिया की स्थिति कुछ ऐसी है कि सिर्फ भारत में ही नहीं, दुनिया के ज्यादातर देशों में अंगदान की गति बहुत धीमी है। इसलिए अंग दान जैसे दिवसों का पहले के मुकाबले आज कहीं ज्यादा महत्व है, क्योंकि इसी बहाने लोगों को अंग दान को लेकर जागरूक किया जा सकता है। इसलिए अंग दान जैसे दिवस भले इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस बारे में प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि दुनिया ज्यादा बेहतर और ज्यादा सुखी बन सके।

पहले से बढ़ी है जागरूकताः आज विश्व स्वास्थ्य संगठन और चिकित्सीय क्षेत्र से जुड़े तमाम संगठन और संस्थाएं अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम करती हैं, जिसके चलते अब धीरे-धीरे लोगों में यह भ्रम और झिझक खत्म हो रही है और अंगदान की प्रक्रिया थोड़ी बढ़ी है। लेकिन आज भी मांग और उपलब्धि के बीच में बहुत बड़ा अंतर है।

सिर्फ गुर्दा प्रत्यारोपण हेतु ही दुनिया में कई लाख लोग हर समय प्रतीक्षारत रहते हैं और गुर्दा दान करने वाले लोगों की संख्या बेहद कम है। हालांकि पिछले कुछ सालों में पश्चिमी विकसित देशों में अंगदान की प्रक्रिया थोड़ी बेहतर हुई है और आज औसतन प्रति लाख 20 से 30 लोग अंगदान के लिए तैयार हो रहे हैं, जिसमें सबसे ज्यादा प्रति लाख 30 लोगों का आंकड़ा स्पेन का है। लेकिन आज भी अंगदान देने वालों और चाहने वालों की संख्या में बहुत फर्क है। इसलिए इस दिन की खास महत्ता है कि लोगों को अंगदान के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें समझाया जाए कि अंगदान ही महादान है। इसलिए अंग दान दिवस की महत्ता आज पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। *

बचा सकते हैं कई लोगों की जान

आज भी शरीर का कोई भी अंग पूरी तरह से कृत्रिम नहीं बनाया जा सका, जो सौ फीसदी कारगर हो। आज भी 99.99 फीसदी अंग प्रत्यारोपण जीवित या मृत लोगों के द्वारा दिए गए अंगों के दान पर ही निर्भर है। ऐसे में कोई भी तकनीक चाहे कितनी ही उन्नत हो जाए, किसी काम की नहीं होगी, जब प्रत्यारोपण के लिए अंग ही न मौजूद हों। यही कारण है कि अंग प्रत्यारोपण दिवस पर पूरी दुनिया में अनेक मेडिकल संस्थाएं और एजेंसियां अंग दान संबंधी कार्यक्रमों के जरिए लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित करती हैं। गौरतलब है कि अंग दान के प्रति उदासीनता के कारण हर साल 25 लाख से ज्यादा लोगों की या तो दुर्घटना के चलते या असाध्य बीमारियों के तहत मौत हो जाती है और अगर पूरी दुनिया में लोग अंग दान को लेकर सहज हो जाएं, तो हर साल इतने लोगों को असमय मृत्यु से बचाया जा सकता है।

फिटनेस फंडा

नितिन बाबू

फिटनेस के लिए डेली करना होता है एफर्ट

चिराग की भूमिका निभाना मेरे लिए रोमांचक और भावनात्मक दोनों है। उसका किरदार बहुत गहराई लिए हुए है। ऐसे किरदार को निभाने के लिए मेंटली फिट होना बहुत हेल्पफुल होता है। वैसे भी मैं हमेशा से अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहा हूं और इसके लिए डेली एफर्ट करता रहता हूं।

सोनी सब चैनल के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में चिराग का किरदार नितिन बाबू निभा रहे हैं। वह अच्छी लाइफ के लिए फिजिकल और मेंटल फिटनेस को बहुत महत्व देते हैं। इसके लिए वे क्या कुछ करते हैं, अपना फिटनेस रूटीन नितिन शेयर कर रहे हैं, अपनी जुबानी।

डाइट प्लानः मेरा डाइट प्लान ज्यादातर सिंपल और संतुलित रहता है। सुबह हल्का और हेल्दी नाश्ता करता हूं। इसमें ओट्स, अंडे या फिर फल लेता हूं। दोपहर में घर का बना खाना पसंद है, जिसमें दाल, सब्जी, सलाद और ब्राउन राइस या रोटी होती है। रात का खाना मैं हल्का रखता हूं। दिन भर खूब पानी पीने की कोशिश करता हूं और जंक फूड से जितना हो सके दूर रहता हूं।

वर्कआउट रूटीनः मेरा वर्कआउट रूटीन, शूट शेड्यूल पर निर्भर करता है। लेकिन मैं सप्ताह में कम से कम तीन दिन जरूर एक्सरसाइज करता हूं। इसमें कार्डियो, वेट ट्रेनिंग और किसी दिन योग या फंक्शनल ट्रेनिंग शामिल होती है। शूट पर भी अगर समय मिलता है तो थोड़ी देर वॉक कर लेता हूं। वर्कआउट मिस नहीं करता हूं।

मैनेज करता हूं टाइमः सच कहूं तो वर्कआउट के लिए समय निकालना मुश्किल होता है, लेकिन यह फिट रहने के लिए बहुत जरूरी भी है। इसलिए मैं अपने दिन की प्लानिंग पहले से कर लेता हूं। अगर सुबह शूट हो, तो वर्कआउट शाम को कर लेता हूं। अगर दोपहर या शाम का शूट है तो सुबह वर्कआउट कर लेता हूं। और कभी-कभी सेट पर ही थोड़ा समय निकालकर कोई छोटी-मोटी फिजिकल एक्टिविटी कर लेता हूं।

ऐसे रहता हूं मेंटली फिटः मेरे लिए शारीरिक के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए मैं रोज कुछ मिनट मेडिटेशन या डीप ब्रीदिंग करता हूं। किताबें पढ़ना मेरी हैबिट में शामिल है। परिवार और दोस्तों से बातचीत करना मुझे संतुलित रखता है। इसके आनावा मैं मानता हूं अपने मन की सुनना और खुद को ज्यादा भार या तनाव न देना बहुत मायने रखता है।

फिटनेस आइडलः मुझे हमेशा से ऋतिक रोशन और मिलिंद सोमन ने प्रेरित किया है। दोनों सिर्फ शारीरिक तौर पर ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद मजबूत हैं। उनकी लाइफस्टाइल और अनुशासन मुझे यह सिखाते हैं कि फिटनेस एक लंबी यात्रा है। यह निरंतर चलती है, इसमें कोई शॉर्टकट नहीं होता है।

रीडर्स को मैसेजः मेरा सबसे बड़ा फिटनेस मंत्र है- कंसिस्टेंसी इज द की। यानी फिटनेस के लिए आप चाहे कितना भी छोटा कदम उठाएं, लेकिन उसे रोज जारी रखें। फिटनेस सिर्फ जिम जाने से नहीं आती, बल्कि एक हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने से आती है। इसमें हेल्दी डाइट, अच्छी नींद और सकारात्मक सोच शामिल होती है। इसे लगातार फॉलो करना होता है, डेली एफर्ट करना होता है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

खबर संक्षेप

बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष को पितृशोक

कनीना। खंड के गांव अगिहार निवासी व बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शशि सोलंकी के पिता भारतीय थलसेना के पूर्व एनके मलखान सिंह 70 वर्ष के निधन पर बुधवार को कोर्ट के अधिवक्ताओं ने वर्क सस्पेंड रखा। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए। बार सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। एसोसिएशन के प्रधान मंजीत यादव ने बताया कि सोलंकी के पिता कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे, उन्होंने मंगलवार को अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार गांव अगिहार में किया गया।

संविधान के लिए प्रतिबद्ध रहने की शपथ दिलाई

महेंद्रगढ़। गांव निंबी के आयुष आरोग्य मंदिर में संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान आयुष विभाग के चिकित्सकों ने ग्रामीणों को संविधान की शपथ दिलाई। डॉ. सुमन कुमारी ने बताया कि ये दिन महज एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी आजादी की असली पहचान का प्रतीक है। संविधान दिवस हमें याद दिलाता है कि यह वही दिन है। जब भारत ने औपनिवेशिक कानून की छाया से निकलकर अपना खुद का संविधान अपनाया था। इस दौरान ग्रामीणों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी और भारतीय संविधान के लिए प्रतिबद्ध रहने की शपथ ली। उन्होंने ग्रामीणों को भारत के संविधान की मूल संरचना, उद्देशिका, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों एवं नागरिक दायित्वों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

अल्ट्रासाउंड से गर्भवती महिलाओं को होगा लाभ

मंडी अटेली। ग्रीवेंस कमेटी की सदस्य एडवोकेट बबली यादव ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का अटेली अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध करवाने पर धन्यवाद करते हुए बताया कि अटेली में आधुनिक अल्ट्रासाउंड से गर्भवती महिलाओं को सीधा इसका लाभ पहुंचेगा। अल्ट्रासाउंड सुविधा के शुरू होने से अटेली एवं आसपास के हजारों मरीजों को अब नारनौल, रेवाड़ी या अन्य शहरों में भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की तर्ज पर उनकी बेटी अब स्वास्थ्य के प्रति अनेक प्रकार के कार्य गरीबों के लिए विशेष तौर पर कर रही है।

संविधान प्रस्तावना का किया सामूहिक वाचन

नारनौल। जिले में संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को जनभागीदारी के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। सरकारी कार्यालय तथा शैक्षणिक संस्थानों में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। लघु सचिवालय में अतिरिक्त उपायुक्त उदय सिंह ने अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि इस विशेष दिवस पर संविधान में निहित मूल्यों और लोकाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाने के लिए राष्ट्रव्यापी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज जिले में सामूहिक वाचन के साथ शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किए गए। उन्होंने सभी नागरिकों से भी आह्वान किया।

शंकर मार्केट, बालाजी व विश्वकर्मा चौक, सीएसडी कैंटीन, बस स्टैंड, राव तुलाराम चौक व आंबेडकर चौक तक अभियान

नगर पालिका टीम ने शहर में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान, दुकानदारों का सामान कब्जे में लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नगर पालिका प्रशासन ने फिर से शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान पालिका कर्मचारियों ने रोड पर अतिक्रमण करके रखे हुए सामान को जब्त कर लिया। यह अभियान नगर पालिका कार्यालय से शुरू होकर शंकर मार्केट, बालाजी चौक, विश्वकर्मा चौक, सीएसडी कैंटीन, बस स्टैंड, राव राव तुलाराम चौक होते आईटीआई रोड आंबेडकर चौक से नगर पालिका कार्यालय में जाकर समाप्त हुआ। इसके साथ ही आगे से रोड पर अतिक्रमण करने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। अभियान के दौरान पालिका कर्मचारियों ने शहर के मेन बाजारों में रोड पर अतिक्रमण करने वाले लोगों के सामान को उठाकर पालिका वाहनों में डाल लिया। पालिका की इस कार्रवाई को देखकर अन्य व्यापारियों ने पहले ही अपना रोड पर रखा सामान समेटकर दुकानों के अंदर कर लिया। दुकानदारों द्वारा रोड पर सामान होने के कारण हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। जिससे आमजन के साथ-साथ वाहन चालक भी बुरी तरह से परेशान है। इतना ही नहीं कुछ लोग द्वारा अपने प्रतिष्ठानों के आगे रेहड़ियां लगवाकर उनसे किराया भी वसूलने की शिकायतें भी पालिका को मिल रही है। रेहड़ियां आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रही है। पालिका अधिकारियों के अनुसार शहर के मेन बाजारों में जाम की स्थिति से निपटने व शहर के सौंदर्यीकरण के लिए शहर को अतिक्रमण मुक्त आवश्यक है। इस कार्य में आमजन का सहयोग भी जरूरी है।

महेंद्रगढ़। शंकर मार्केट में अतिक्रमण हटवाते नगर पालिका कर्मचारी।

सामान किया जब्त

नगर पालिका की ओर से जैसे हीं शंकर मार्केट से अभियान चलाया गया तो दुकानदारों में हडकंप मच गया। नपा कर्मचारी सबसे पहले शंकर मार्केट पहुंचे यहां रोड पर दुकानदारों ने दुकान के बाहर सामान लगाया हुआ था। कर्मचारियों ने रोड पर रखे मैज व साइन बोर्ड को अपने कब्जे लिया तथा चेतावनी दी कि अगर फिर से रोड पर सामान मिला तो ठोस कार्रवाई की जाएंगी। इसके बाद टीम बालाजी चौक, विश्वकर्मा चौक पर पहुंची तो दुकानदारों ने रोड पर मैज लगाकर सामान रखा हुआ मिला कर्मचारियों ने रोड पर सामान को अपने कब्जे में लिया। इसके बाद टीम सीएसडी कैंटीन के पास पहुंची यहां पर भी कर्मचारियों ने रेहड़ी चालाकों को चेतावनी दी कि वह अपनी रेहड़ी निर्धारित जगह पर खड़ी करें।

दुकानदारों की होगी जिम्मेदारी

सफाई दरोगा राजेंद्र व सुमित उर्फ रिंकू ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार बाजार में दूकानों के आगे किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए कहा जा रहा है। इस दौरान उन्होंने नगर पालिका से शुरू होकर अंबेडकर चौक, सीएमसडी कैंटीन, यादव धर्मशाला, बस स्टैंड, राव तुलाराम चौक, आईटीआई रोड से आगे अतिक्रमण को हटवाया गया है। कुछ दुकानदारों ने अपना सामान खुद हटा लिया तो कुछ हटाने की बात कहते रहें। उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी दी की भविष्य में पालिका द्वारा चलाए जाने वाले अभियान के दौरान यदि किसी भी व्यक्ति का सामान रोड पर मिलता है तो उसे पालिका उठवा लेगी जिसकी जिम्मेवारी स्वयं की होगी।

एसडीएम को राष्ट्रपति व प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मांगों को लेकर विभिन्न संगठनों ने लघु सचिवालय में किया प्रदर्शन

संगठन पदाधिकारियों ने किसान आंदोलन के शहीदों को पुष्प अर्पित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर दिल्ली चलो आंदोलन की पांचवीं वर्षगांठ पर बुधवार को संयुक्त किसान मोर्चा के प्रमुख घटक किसान संगठन ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन व ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के संयुक्त तत्वावधान में किसान व मजदूर चितवन वाटिका में एकत्रित हुए। इस अवसर संगठन पदाधिकारियों ने ऐतिहासिक किसान आंदोलन दिल्ली चलो के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर किसान संगठन एआईकेकेएमएस के जिला अध्यक्ष बलबीर सिंह, श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, श्रमिक संगठन इंटक के जिला प्रधान विपिन कुमार, रोडवेज यूनियन इंटक के जिला प्रधान हंसराज, डेमोक्रेटिक स्कूल टीचर्स एसोसिएशन के राज्य सचिव मास्टर महेश यादव, संयुक्त किसान मोर्चा के जिला संयोजक छाजूराम रावत मौजूद रहे।

नारनौल। एसडीएम अनिरुद्ध यादव को ज्ञापन सौंपते संगठन के सदस्य व अन्य। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

नारनौल। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा व मजदूर अधिकार संघर्ष अभियान जिला इकाई के सदस्यों ने बुधवार को अम्बेडकर स्टैच्यू से लेकर लघु सचिवालय केन्द्र सरकार की ओर से लागू किए गए मजदूर-विरोधी चार लेबर कोड के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और इन्हें रद्द करने की मांग को लेकर लघु सचिवालय पर धरना दिया। इन मजदूर विरोधी लेबर कोड्स व सफाई कर्मचारियों की मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एसडीएम अनिरुद्ध यादव के माध्यम से सौंपा। प्रदर्शनकारी मजदूरों को संबोधित करते हुए ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा के महासचिव सुभाषचंद्र एडवोकेट ने कहा कि देशभर के मजदूर संगठनों व ट्रेड यूनियनों के विरोध, चेतावनियों और अपीलों को नजरअंदाज करते हुए केंद्र सरकार ने पूंजीपतियों के हित में बनाए गए चार श्रम संहिताओं को 21 नवंबर 2025 की अधिसूचना के माध्यम से लागू कर दिया है। यह कदम दशकों की लड़ाइयों से अर्जित श्रम अधिकारों को एक झटके में समाप्त कर करोड़ों मजदूरों के सामाजिक-आर्थिक अस्तित्व पर गंभीर हमला करता है।

लेबर कोड्स की प्रतियां जलाईं

इस अवसर पर श्रमिक विरोधी चार लेबर कोड्स की प्रतियां जलाई। इसके बाद लघु सचिवालय पर पहुंचकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया तथा एसडीएम के माध्यम से राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपें। वहीं गोमला के ग्रामीण सफाई कर्मचारी को ड्यूटी पर लेने, ग्रामीण सफाई कर्मचारी कनीना ब्लाक के वेतन भुगतान के लिए ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा। सभा को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा देवी व जिला सचिव सन्तोष ढिल्लो, आशा कार्यकर्ता यूनियन की राज्य सचिव मधु देवी, मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन की सुशीला, भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन के जिला प्रधान सीताराम व जिला सचिव महावीर प्रसाद गोद, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा के जिला प्रधान पवन कुमार बाल्मीकि, दीपक कुमार, ग्रामीण चौकीदार संगठन के सुरेश कुमार, एजुसैट स्कूल चौकीदार के सुमेर सिंह, क्रैच वर्कर्स यूनियन की अनिता, बिजली उपभोक्ता मंच सिहमा के ब्लॉक प्रधान मास्टर बलवंत सिंह, मनरेगा मजदूर यूनियन के अभिमन्यू आदि मौजूद रहे।

बृजेंद्र सिंह ने दिलाई संविधान रक्षा की शपथ

बाढड़ा के मुख्य क्रांतिकारी चौक पर लोगों को संबोधत करते पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में संचालित सद्भाव यात्रा के 53वें दिन बाढ़ड़ा में जोरदार स्वागत किया, जो गांव जेवली, बेरला, कान्हड़ा व कादमा तक जारी रहा। बृजेन्द्र सिंह ने देश के भविष्य के लिए व्यवस्था परिवर्तन का आह्वान किया। इस दौरान एसपीएन स्कूल जेवली में विद्यार्थियों ने उनसे यूपीएससी व अन्य शिक्षा संबंधी जानकारी भी ली, जिनका उन्होंने उत्साहपूर्वक विचार सांझा किए।

बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में जारी सद्भाव यात्रा ने बुधवार को बाढ़ड़ा विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश किया, जहां लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा का मार्ग एवं प्रमुख पड़ाव यात्रा की शुरुआत क्रांतिकारी चौक से हुई, जिसके बाद जेवली, बेरला, कांहड़ा होते हुए यह कादमा पहुंची। रात्रि विश्राम झोझू में रहा। कस्बे के क्रांतिकारी चौक पर सभी उपस्थित नेताओं ने महाशय मंशाराम और राजा महताब सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। संविधान दिवस पर बृजेंद्र सिंह ने लोगों को संविधान की रक्षा, राष्ट्रीय चिन्हों के सम्मान, एकता बनाए रखने और नागरिक कर्तव्यों का पालन करने की सामूहिक शपथ दिलवाई। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि भारत का संविधान उन महापुरुषों की कुर्बानी का परिणाम है, जिन्होंने १० वर्षों की गुलामी को समाप्त कर लोकतंत्र की नींव रखी।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव बीरेंद्र सिंह डूमरखां व पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह का कस्बे में पहुंचने पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुशील धानक, पूर्व सीपीएस रणसिंह मान और जगत सिंह बाढड़ा ने जोरदार स्वागत किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व सीपीएस रणसिंह मान, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील धानक, दलबीर गांधी, जगतसिंह बाढ़ड़ा, किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय कंवीनर राजू मान, डॉ. ओमप्रकाश, डॉ. धमेंद्र ढिल्लों, रविंद्र, एडवोकेट सोमबीर सिंह, विरेंद्र कांहड़ा, पूर्व सरपंच विजय फौजी, पूर्व बीडीसी राकेश बेरला, कुलदीप, एडवोकेट विकास श्योराण, जगबीर श्योराण, जयदीप, भरपूर श्योराण, मामन जांगड़ा, बिजेंद्र, सत्यवान बलौदा, कश्मीर, संदीप, रविंद्र, प्रदीप मान, वेदप्रकाश व कपूर उमरावास शामिल रहे।

नवीन कुमार व स्नेहा कुमारी की टीम प्रथम

नांगल चौधरी। श्रीराम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में संविधान दिवस पर विद्यार्थियों की डिबेट प्रतियोगिता प्राचार्य धर्मबीर दहिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें संस्था के चेयरमैन एडवोकेट अनिल यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित करने के बाद उन्हें संविधान के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संविधान में समाहित कानून से राष्ट्र का विकास तथा जनता को न्याय मिलना संभव होता है। इसलिए प्रत्येक युवा को संविधान की विस्तृत जानकारी होनी अनिवार्य है। जागरूकता के लिए विद्यार्थियों की डिबेट प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें 40 विद्यार्थियों की 20 टीमें बनाई गई है।

झोझू कॉलेज को विश्वविद्यालय बनाने में करें सहयोग : महादेव

- समाजसेवी महादेव बलाली ने झोझू कलां कॉलेज में पूर्व छात्राओं को जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

झोझू कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राएं समय समय पर खेल, शिक्षा, सांस्कृतिक क्षेत्र अनेक कीर्तिमान रच रही हैं और अब इस संस्था को विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने के लिए जन प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और शिक्षाविदों को एकजुट होकर आगे आना चाहिए। यह बात समाजसेवी महादेव बलाली ने झोझू कलां कॉलेज में पूर्व छात्राओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ झोझू ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के भविष्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने कहा कि झोझू कॉलेज वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रहा है, लेकिन आज भी क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख करना पड़ता है।

झोझू कॉलेज में महादेव बलाली का अभिनंदन करती आयोजक कमेटी।

उन्होंने कहा कि इस कॉलेज को विश्वविद्यालय का दर्जा मिल जाता है तो आसपास के हजारों छात्राओं को अपने ही क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने जन प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे इस मांग को विधानसभा और संसद तक मजबूती से उठाएं, वहीं सामाजिक संगठनों से भी सामाजिक और आर्थिक सहयोग करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज की असली ताकत है और विश्वविद्यालय बनने से क्षेत्र में शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने अपने संगठन मानव सहायता फाउंडेशन कोष से ११ लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की और छात्राओं को किसी भी प्रकार की शिक्षा में सहायता देते रहने का भरोसा भी दिलवाया। महादेव ने विश्वास जताया कि सभी वर्ग एकजुट होकर प्रयास करें तो झोझू कॉलेज को विश्वविद्यालय बनाना कोई मुश्किल कार्य नहीं है।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सीएल स्कूल प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार व पुलिस प्रशासन की ओर से आयोजित सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी परीक्षा में सीएल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों रितिका पुत्री मनीष व पार्थ सिंघल पुत्र भुवनेश्वर कुमार ने कक्षा एक से पांवीं वर्ग में क्रमशः ब्लॉक स्तर पर प्रथम व तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा विद्यार्थी अंक्षाश पुत्र बाबूलाल ने कक्षा छठी से आठवीं वर्ग में ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्था, अभिभावकों व क्षेत्र का नाम रोशन किया। यह उपलब्धि विद्यालय के विद्यार्थियों ने दोनों कक्षा वर्गों में कुल क्रमशः 133 व 154 छात्रों से कड़ी प्रतिस्पर्धा कर प्राप्त की। इससे पूर्व यह सभी विद्यार्थी विद्यालय स्तर पर अपने वर्ग में प्रथम व द्वतीय स्थान पर रहते हुए ब्लॉक स्तर के लिए क्वालीफाई किया था। इन विजयी छात्रों को संस्था के प्रबंधक निदेशक डॉ. अमित गुप्ता ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने भी विजेता बच्चों को आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए प्रोत्साहित किया।

अखिल भारतीय किसान सभा तोशाम कल करेगी बड़ा आंदोलन

लोहारू महापंचायत के लिए चलाया जागरुकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

अखिल भारतीय किसान सभा तोशाम संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में फसल बीमा क्लेम आंदोलन के तहत 28 नवंबर को लोहारू किसान महापंचायत करेगी। इसमें महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग लेंगी। अखिल भारतीय किसान सभा के जिला सचिव मास्टर जगरोशन ने किसानों को विस्तार से किसानों कि मांग मुद्दों पर चर्चा की। तोशाम किसान सभा सचिव नरेंद्र सिंह जागलान ने कहा कि हरियाणा सरकार की नीतियां ठीक नहीं है नौवजवानों, बच्चों को बेरोजगारी और नशे की ओर धकेल रहा है। किसानों को समय पर खाद वगैरा नहीं मिल रही, बिजली कनेक्शन नहीं मिल रहे। मंडियों में किसानों का अनाज समर्थन मूल्य पर नहीं बिक रहा। ऐसी बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नरेंद्र सिंह डाडम ने बताया कि लोहारू में 28 नवंबर को आयोजित होने वाली किसान महापंचायत का जनसंपर्क गांव गांव में किया जा रहा है और अनेक गांवों का दौरा करके अखिल भारतीय किसान सभा के प्रधान कर्ण सिंह जनावास, सचिव नरेंद्र सिहं डाडम , संयुक्त सचिव रणधीर सागवान रोडा , उप प्रधान इन्द्र लांबा प्रेस सचिव मुकेश श्योराण साहलेवाला, जंगबीर गुलिया आदि किसान सभा की टीम ने अभियान चलाया है। बुधवार को गांव सालेवाला, डाडम ,छपार तोशाम आदि गांवों में जनसंपर्क किया गया। इस अभियान के दौरान बताया कि वे अपने 350 करोड़ रुपए के फसल बीमा क्लेम घोटाला के विरुद्ध आंदोलन के तहत लोहारू में 16 जुलाई से लोहारू उपमंडल कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन महापड़ाव पर डटे हैं। 28 नवंबर शुक्रवार को एसडीएम कार्यालय लोहारू पर होने वाली किसान महापंचायत की तैयारियों में अलग अलग गांवों का दौरा कर रहे हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 16 जुलाई से एसडीएम लोहारू कार्यालय पर अनिश्चित कालीन महापड़ाव चल रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 2023 24 फसलों, रबी फसल का बकाया मुआवजा नहीं मिला है। बैंक वालों ने बीमा के नाम से जो रुपए काटे थे, वह रुपए वापस किसानों के खातों में डाल रहे हैं। इसमें भी फ्रॉड लग रहा है।

महापंचायत की सफलता को लेकर दौरा करते किसान सभा के सदस्य।

बीके विद्यालय में मनाया संविधान दिवस, बाबा साहेब को किया याद

- भाषण, कविता और लघु नाटिका के माध्यम से अधिकारों की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में संविधान दिवस के लागू होने की ७६ वीं वर्षगांठ को धूमधाम से मनाया गया। जिसमें कक्षा छठी से कक्षा बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभागिता की। उन्होंने अपने भाषण, कविता, लघु नाटिका के माध्यम से संविधान में निहित न्याय, अधिकारों, कर्तव्यों, समानता, बंधुत्व, नागरिकों की रक्षा हेतु अधिकारों की जानकारी दी। अध्यापकों ने विद्यार्थियों को संविधान दिवस के महत्व से परिचित करवाते हुए बताया कि डॉ. भीमराव को संविधान निर्माता के जनक के रूप में जाना जाता है, जिनका उद्देश्य विभिन्न वर्गों के बीच अंतर को बराबर करना था। धर्म, जाति एवं लिंग के आधार पर समानता लाने के लिए, सामाजिक संतुलन को बनाने के लिए उन्होंने संविधान सभा का गठन किया तथा आरक्षण श्रेणी को स्थापित करने का श्रेय भी डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को जाता है। उन्होंने संविधान में यह स्पष्ट किया कि न कोई छोटा है न कोई बड़ा है, सभी एक समान है। विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने बताया कि संविधान दिवस राष्ट्रीय पर्व है। विद्यालय प्राचार्य द्वारा संविधान प्रस्तावना की शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर प्रबंधन समिति सचिव योगेश शर्मा, वरिष्ठ विभाग संचालक योगेंद्र सिंह, कनिष्ठ विभाग संचालिका मंजू मलिक, शिखा, गीता, सिंपी, मीनू वालिया, मीनू यादव, मीनाक्षी व दिव्या आदि उपस्थित रहे।

Name Change

I, Renu Kalan W/o Dinesh Kumar R/o Dhana Road, Gali No. 1, Ward No. 10, Bhiwani 127021 Haryana declare that I have changed my name from Renu to Renu Kalan for all future purposes.

खबर संक्षेप

संविधान दिवस पर कार्यालयों में दिलाई शपथ

चरखी दादरी। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में शपथ समारोह आयोजित किया गया। इसके अलावा जिला के सभी सरकारी कार्यालयों में भी इस अवसर पर शपथ दिलाई गई। उपायुक्त ने कार्यालय व अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारत के संविधान के प्रति निष्ठा रखने, उसके सिद्धांतों का पालन करने और देश की एकता, अखंडता तथा संप्रभुता की रक्षा करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक संरचना, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों का आधार है। प्रत्येक सरकारी अधिकारी व कर्मचारी का दायित्व है कि वे संविधान द्वारा प्रदत्त मूल्यों न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को अपने कार्यों व व्यवहार में उतारें। कार्यक्रम में एसडीएम योगेश सैनी व सीटीएम प्रीति रावत सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

डीसी ने दिलवाई संविधान प्रस्तावना की शपथ

भिवानी। लघु सचिवालय परिसर में हमारा संविधान-हमारा सम्मान है, थीम पर संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान डीसी साहिल गुप्ता ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलवाई। इस दौरान नगराधीश अनिल कुमार भी उपस्थित रहे। डीसी ने कहा कि हमारा संविधान-हमारा सम्मान है। भारतीय संविधान भारत के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और समतावादी ढांचे को परिभाषित करने वाला आधारभूत दस्तावेज है। 26 नवम्बर 1950 से भारतीय राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों के माध्यम से राष्ट्र का मार्गदर्शन किया है, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व सुनिश्चित किया है। वहीं दूसरी ओर जिला के स्कूलों, कॉलेजों सहित विभिन्न विभागों व संस्थाओं ने संविधान दिवस शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संविधान निर्माता को पुष्प किए अर्पित

भिवानी। गांव खरक कला में संविधान दिवस पर बाबा साहब अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए धानक जनकल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष संदीप

खरकिया ने कहा कि भारत के संविधान को अक्सर हमारे लोकतंत्र का मार्गदर्शक माना जाता है। यह एक अत्यन्त महत्वपूर्ण प्रलेख है, जिसकी रक्षा की जानी चाहिए, क्योंकि यह प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए बनाया गया है। इस अवसर पर मोनू वशिष्ठ, सुखपाल सिंह, नवीन सोनी, वीरेंद्र वाल्मीकि, अमित परमार, ओमवीर पर आदि मौजूद थे।

संविधान दिवस पर भाषण में मोहित बना विजेता

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भिवानी में संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संविधान से संबंधित भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में टीपीईएस ट्रेड से मोहित प्रथम, प्रीति द्वितीय तथा प्रोमिला तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम के दौरान अनुदेशक राज कुमार आर्य ने संविधान निर्माण में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। ग्रुप इंस्ट्रक्टर वीरेंद्र कुमार ने प्रतिभागियों से कहा कि ऐसे आयोजनों में भाग लेने से उनमें आत्मविश्वास विकसित होता है।

बाबा साहेब व सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

भिवानी। डाइट भिवानी की ओर से टीआईटी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिवानी में संविधान दिवस, सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्यतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी चरखी दादरी व डाइट प्राचार्य धर्मेंद्र ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और सरदार पटेल की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित किए। जयमगवान वनवासी कल्याण आश्रम ने भारतीय इतिहास में जनजातियों की भूमिका पर प्रकाश डाला और बिरसा मुंडा के जीवन वृत्त से परिचित करवाया। टीआईटी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीपी कौशिक ने सबका आभार जताया। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन में डाइट भिवानी प्रभारी मोनिका, विवेक कुमार प्रवक्ता, नीरज कुमार प्रवक्ता, टीआईटी प्राइमरी स्कूल मुख्य अध्यापिका सरिता और उनके स्टाफ व नवीन और संगीता का योगदान रहा।

डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

तोशाम। बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर तोशाम के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एवं पंचायत भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया वहीं विद्यालय के मुख्य द्वार पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर लगी प्रतिमा पर सभी ने माल्यार्पण किया। इस दौरान डॉ. भीमराव अम्बेडकर चेतना विकास समिति की ओर से प्रशाद वितरित किया गया। जहां विद्यालय के बच्चों प्रधानाचार्य सुदेश यादव, स्कूल स्टाफ़ गांव के सरपंच राजेश कुमार व डॉ. भीमराव अम्बेडकर चेतना विकास समिति के प्रधान संजय नाफरिया, पंच कर्मवीर नाफरिया, शहीद भगत सिंह क्लब तोशाम के प्रधान संदीप पंघाल, युवा विकास समिति के गणमान्य सदस्य अशोक कुमार मलीक, कर्ण सिंह नंबरदार, विकास मोहल एडवोकेट, रणबीर भारीवास, पूर्व पंच करतार नाफरिया, डॉ. अजय भूकल, रामकिशन, सुशील पहिवाल, हरिश नाफरिया, सुंदर बागड़ी, पिनी नाफरिया, रिटायर्ड सीनियर आडिटर रमेश चन्द्र नाफरिया आदि सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहीं संविधान दिवस पर खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी तोशाम और सरपंच से मांग की गई कि मेन चौक सब्जी मंडी में भारतीय संविधान की स्थापना कर चौक का नाम भी संविधान चौक किया जाए।

संविधान ने समानता का अधिकार दिया

लोहारू। चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार संविधान दिवस का आयोजन किया। डॉ. अजय वशिष्ठ ने संविधान को भारत के लोकतंत्र का आधार स्तंभ बताते हुए कहा कि यह वह अमूल्य दस्तावेज है जिसने देश को सामाजिक समानता, न्याय और स्वतंत्रता के परम सिद्धांतों से जोड़ा है। रमेश कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान ना केवल एक कानूनी दस्तावेज है, बल्कि यह देश के हर नागरिक के जीवन में सशक्त न्याय व्यवस्था का परिचायक है। इसके अतिरिक्त, राजेंद्र सिंह ने संविधान को सबसे बड़ा समाज सुधारक बताया, जिसने हर प्रजा के लिए सम्मान, सुरक्षा और समानता की गारंटी दी है। कार्यक्रम में उपस्थित लीगल लिट्रेसी विभाग के प्रोफेसर डॉ. पूनम हिंदी, डॉ. राजबाला, डॉ. संदीप, एवं अन्य सदस्यों ने भी संविधान दिवस के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संविधान हमें एक सशक्त लोकतंत्र की नींव प्रदान करता है, जिसमें सभी नागरिकों को अधिकार प्राप्त है।

संविधान दिवस पर जिले के कई संस्थानों में कार्यक्रम

सीबीएलयू में विद्यार्थियों ने ली संविधान की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में संविधान दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। विधि विभाग एवं राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटीज (डीएलएसए), भिवानी एवं प्रोत्साहन सोशल वेलफेयर सोसाइटी ने संयुक्त सहयोग दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन कर शपथ ग्रहण से हुई।

भारतीय संविधान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता से हुई। कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी एवं चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट व डीएलएसए सचिव पवन कुमार ने कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का औपचारिक आरंभ डॉ. प्रमोद मलिक, इंचार्ज, विधि विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रोफेसर वागेश्वरी (दिल्ली विश्वविद्यालय) का व्याख्यान रहा। कार्यक्रम का समापन डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, इंचार्ज, राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा धन्यवाद अभिभाषण से हुआ।

सीबीएलयू में संविधान की गरिमा बनाए रखने की शपथ लेते शिक्षक व विद्यार्थी।

भाषण स्पर्धा में रखे संविधान पर विचार

बाढड़ा। राजकीय महिला महाविद्यालय बाढड़ा में बुधवार को संविधान दिवस पर पोस्टर, बैनर व भाषण स्पर्धा का आयोजन किया। कॉलेज में प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार की अध्यक्षता व कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ प्रभारी मनीषा लाठर व राष्ट्रीय दिवस प्रभारी कमलेश के नेतृत्व में व भाषण, पोस्टर, स्लोगन का आयोजन किया। इसके अलावा आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का नेतृत्व डॉ. सोनू ने किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कुल टीमे आठ रही। टीम सी ने प्रथम स्थान तथा टीम जी ने द्वितीय स्थान व टीम एफ ने तृतीय स्थान हासिल किया। मंच संचालन अनिता ने किया। इस अवसर पर डॉ. सूबेसिंह, डॉ. गुणपाल, डॉ. राकेश, तस्वीर, मीना, यशवंती, डा .मीना कुमारी, डॉ. रिंकु व प्रियंका आदि उपस्थित रहे।

बाबा साहेब को पुष्पांजलि अर्पित की

तोशाम। संविधान दिवस पर वीर शहीद ईश्वर सिंह राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तोशाम में कार्यक्रम हुआ। यह कार्यक्रम विद्यालय के टैरेसा सदन के इंचार्ज रामपाल व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी ज्योति रानी के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया। आयोजन में तोशाम के सरपंच राजेश कुमार तंवर व अंबेडकर समिति के अध्यक्ष संजय नाफरिया व समिति के अन्य सदस्य भी शामिल हुए। विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों और उपस्थितजन ने बाबा साहब को पुष्पांजलि अर्पित की। विद्यालय प्राचार्य सुदेश कुमार यादव ने कहा कि आज हम इतनी स्वतंत्रता से जीवन जी रहे हैं ये भारतीय संविधान की बदौलत ही संभव हो पाया है।

संविधान दिवस पर कांग्रेस ने भरी हुंकार, 4 को प्रदर्शन

भिवानी लघु सचिवालय में संविधान रचियता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लघु सचिवालय में कांग्रेस की जिला ग्रामीण व शहरी कमेटी द्वारा संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने किया। इस मौके पर उन्होंने बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। अनिरुद्ध चौधरी ने आगामी 4 दिसंबर को आयोजित होने वाले वोट चोर-गद्दी छोड़ कार्यक्रम की रूपरेखा रखी।

इस अवसर पर कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी, बार एसोसिएशन के पूर्व जिला अध्यक्ष सत्यजीत पिलानिया,एससी सैल के ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेंद्र धानक एवं एससी सैल के शहरी जिला अध्यक्ष समीर खटीक, युवा जिला अध्यक्ष मनदीप सुई, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान सहित अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता व बार एसोसिएशन के सदस्य मौजूद रहे।

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में अंशु रानी प्रथम

भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ के संयुक्त

तत्वावधान में स्लोगन लेखन प्रतियोगिता एवं प्रस्तावना वाचन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. त्रिलोकचंद ने की। प्रतियोगिता में अंशु रानी ने प्रथम, नगीना ने द्वितीय एवं लक्ष्मी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रोफेसर गौरव दलाल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेनू बाला, डॉ. मंजू,डॉ. सविता, प्रोफेसर ईशा चौधरी, डॉ. अनीता शर्मा, प्रोफेसर मुकेश कुमार, प्रोफेसर अजीत कुमार, प्रोफेसर कविता, प्रोफेसर नविता एवं अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

570 मरीजों के नेत्र जांचे, 72 का होगा ऑपरेशन

बाढड़ा। गांव खोरड़ा में समाजसेवी सोमबीर सिंह घसौला द्वारा निः शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया, जिसमें क्षेत्र के 570 मरीजों ने अपनी आंखें की जांच करवाई तथा 324 लोगों को निःशुल्क चश्मा व दवाएं प्राप्त की। 72 रोगियों का गुरुग्राम अस्पताल में नेत्र ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। बुजर्ग रोगियों ने सोमबीर सिंह घसौला को जनकल्याण के लिए संचालित अभियान के लिए बधाई व आर्शीवाद दिया। हरियाणा स्टोन क्रेशर एसोसिएशन अध्यक्ष सोमबीर सिंह घसौला ने गांव खोरड़ा में आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में परोपकार की भावना को अपनाना चाहिए। उनका पिछले दो वर्षो से जनकल्याण के क्षेत्र में यह महाअभियान संचालित है। आज के निः शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में क्षेत्र के 570 मरीजों ने अपनी आंखें की जांच करवाई तथा 72 रोगियों का गुरुग्राम अस्पताल में नेत्र आप्रेशन के लिए चयन किया गया। इनका गुरुग्राम के प्रसिद्ध इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सा अस्पताल में आधुनिक मशीनों द्वारा आप्रेशन करवाकर घर लाया जाएगा। नेत्र जांच एवं आप्रेशन शिविर कार्यक्रम में बाढड़ा पंचायत समिति चेयरमैन प्रतिनिधि आनंद फौजी डालावास, सरपंच रामफल, पूर्व सरपंच राजकुमार, पूर्व बीडीसी हनुमान दलाल धारणी, नंबरदार जयसिंह, सत्यवान श्योराण, बलवान आर्यनगर, सतीश, रामकुमार सोलंकी, सत्यपाल मोड़ी, भूपेन्द्र सिंह, सुनील नंबरदार, राहुल, दिनेश, धर्मबीर मेहड़ा, मांगेराम, दिनेश कुमार, सुंदर कस्वा आदि मौजूद रहे।

200 मीटर दौड़ में प्रीति रही विजेता

■ राजकीय महिला महाविद्यालय में एथलेटिक मीट संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

राजकीय महिला महाविद्यालय बाढड़ा में दूसरे दिन भी ७वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं के रोचक मुकाबले जारी रहे। खेल स्पर्धा समापन समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड चैयरमैन डा. पवन कुमार शर्मा और विशिष्ट अतिथि डायरेक्टर डीएमईएस गोहाना के डॉ. अनुप सिंह राठी रहे। विशिष्ट अतिथियों का प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार व महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। कॉलेज परिसर में दो दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की विभिन्न छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

राजकीय महिला महाविद्यालय में विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि।

प्राचार्य अनिल कुमार ने कहा कि हमारा महाविद्यालय हमेशा से ही गुणवतापूर्ण शिक्षा, चरित्र निर्माण और बहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। खेल गतिविधि प्रभारी जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में खेल गतिविधियों का संचालन किया व मंच संचालन अनिता ने किया। खेल परिसर में संचालित दो दिवसीय खेल स्पर्धाओं में 200 मीटर रेस में प्रीति ने प्रथम, विशाखा ने द्वितीय व निशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लेमन रेस में प्रथम स्थान रिंकी ने द्वितीय स्थान प्रीति ने व तृतीय स्थान दीपिका ने हासिल किया। रिले रेस में प्रथम स्थान प्रीति टीम ने द्वितीय स्थान प्रतीक्षा टीम ने व तृतीय स्थान दीपिका टीम ने प्राप्त किया, श्री लेग रेस में प्रथम स्थान साक्षी एवं विशाखा ने द्वितीय स्थान प्रीति एवं पूजा ने व तृतीय स्थान प्रियंका एवं प्रीति ने हासिल किया। लंबी कूद व ऊंची कूद मे प्रथम स्थान प्रीति, द्वितीय स्थान पूजा, तृतीय स्थान सुदेश ने प्राप्त किया। लंबी कूद में प्रथम स्थान साक्षी, द्वितीय स्थान ममता व तृतीय स्थान प्रीति ने प्राप्त किया। बेस्ट एथलेटिक मीट में प्रीति बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा ने परचम लहराया।

अत्याचार निवारण अधिनियम पर करें जागरूक : एसडीएम

भिवानी। एसडीएम महेश कुमार ने कहा कि अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के बारे में लोगों को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए। जागरूता से पीड़ित व्यक्ति आर्थिक मदद ले सकता है। जागरूकता के अभाव में लोग योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं।

एसडीएम महेश कुमार बुधवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में उप-मण्डल में सतर्कता कमेटी की समीक्षा बैठक में सम्बंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे रहे थे। उन्होंने एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज केसों के बारे में विस्तार से समीक्षा की करते हुए कहा कि अधिनियम के विभिन्न उपबंधों को क्रियान्वयन, पीड़ित व्यक्तियों को दी गई राहत और पुनर्वास सुविधाए तथा उनसे संबंध अन्य मामलों पर शीघ्र कार्रवाई की जाए।

चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा को जयंती पर किया याद

भिवानी। स्वतंत्रता सेनानी, संविधान निर्माण सभा के सदस्य और गांधीवादी विचारक चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा की 111वीं जयंती पर पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। कांग्रेस मीडिया प्रभारी धीरज अखरिया ने कहा कि चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा का पूरा जीवन देश के लिए संघर्ष और जनसेवा को समर्पित रहा। उन्होंने देश को आजाद करवाने के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ी। आजादी के बाद भी देश कल्याण का ये सिलसिला जारी रहा। उन्होंने अलग-अलग पदों पर रहते हुए किसान, मजदूर, गरीब, वंचित हर तबके की आवाज उठाई और उन्हें अधिकार देने की वकालत की। उन्होंने कहा कि देश में सबसे पहले फसलों के एमएसपी की मांग चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा ने उठाई थी। दो अगस्त 1950 को संविधान सभा में उन्होंने किसानों को फसल के उचित दामों का मुद्दा उठाया था। इस अवसर पर रामौतार वर्मा, भरत अखरिया, विपिन इंदौरा, पवन तिवारी, जयकुमार, राजकुमार खत्री, लीला ठेकेदार, सन्नी अखरिया, संजय वाल्मीकि, शंकर मित्तल मौजूद थे।

छात्राओं को सेल्फ डिफेंस के सिखाए गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के बी.के. शिक्षण महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के तहत सोमवार से बुधवार तक तीन दिवसीय सेल्फ-डिफेन्स वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह वर्कशॉप डीपी पार्वती मैडम द्वारा संचालित की गई। इस प्रशिक्षण के माध्यम से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाने, जागरूकता विकसित करने और आत्मरक्षा की आवश्यक तकनीकों की जानकारी देने पर विशेष जोर दिया गया। वर्कशॉप के दौरान छात्राओं को ग्रीपिंग, लॉक, हुक और ब्लॉक जैसी महत्वपूर्ण तकनीकें व्यवहारिक रूप में सिखाई गईं, जो व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। यह कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक कॉलेज हॉल में आयोजित किया गया। वर्कशॉप के दौरान सभी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दूसरी ओर 26 नवंबर को कॉलेज में संविधान दिवस भी गरिमामय ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने भारत के संविधान के महत्व, इसकी प्रस्तावना और नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम की शुरुआत प्रस्तावना के सामूहिक पाठ से हुई, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों में संविधान के मूल्यों न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई।

मां के जन्मदिन पर किया रक्तदान

भिवानी। गांव रिवाड़ीखेड़ा निवासी युवा ने अपनी मां के जन्मदिन पर मानवता की सेवा कर समाज के सामने एक अनूठी मिसाल पेश की है। सुनील ने अपनी माता दर्शना देवी के 52वें जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए केक काटने की बजाय समर्पण चैरिटेबल ब्लड सैंटर में रक्तदान कर किसी का जीवन बचाने का संकल्प लिया। सुनील के पुनीत कार्य और जज्बे की सराहना करते हुए पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट ने उन्हें सम्मानित किया। ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र सांग्वाल ने सुनील के इस कदम को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी बताया। रक्तदाता सुनील को सम्मानित करते हुए पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र सांग्वाल ने कहा कि सुनील ने अपनी मां के जन्मदिन पर रक्तदान कर यह साबित कर दिया है कि खुशी मनाने का असली तरीका दूसरों के चेहरों पर मुस्कान लाना है। सांग्वाल ने कहा कि आज के दौर में युवा पीढ़ी अक्सर जन्मदिन या सालगिरह पर पार्टियों में फिजूलखर्ची करती है। ऐसे समय में सुनील जैसे युवाओं की सोच समाज को एक नई दिशा देती है। इस अवसर पर विरेंद्र सिंह उर्फ मिंटू, अमित, रविन्द्र रंगा, मीनाक्षी, सोनिया, कुसुम, बुलबुल भी साथ रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष के जन्मदिन पर रोपे 101 पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक का जन्मदिन मंगलवार को जिला भाजपा कार्यालय में सादगी और सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने केक काटकर जहां एक ओर खुशी का इजहार किया, वहीं दूसरी ओर 101 पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का एक सकारात्मक संदेश भी दिया। जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एकत्रित हुए। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से जिला अध्यक्ष का स्वागत किया और केक काटकर उनके जन्मदिन का जश्न मनाया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने वीरेंद्र कौशिक की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं ने केवल जश्न ही नहीं मनाया, बल्कि सामाजिक सरोकार भी निभाया। जिला अध्यक्ष के जन्मदिन के उपलक्ष्य में कार्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में 101 फलदार और छायादार पौधे लगाए गए। कार्यकर्ताओं ने संकल्प

लिया कि वे इन पौधों की देखभाल भी करेंगे। इस पहल की सभी ने सराहना की। इस अवसर पर भावुक होते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उनके जन्मदिन को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोडक़र 101 पौधे लगाने का जो निर्णय कार्यकर्ताओं ने लिया है, वह अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है।

जूनियर रेडक्रॉस ट्रेनिंग कार्यक्रम में जांचा प्रतिभागियों का स्वास्थ्य

भिवानी। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की हरियाणा शाखा चंडीगढ़ के निर्देशानुसार एवं भिवानी रेडक्रॉस अध्यक्ष एवं उपायुक्त साहिल गुप्ता के नेतृत्व में भिवानी रेडक्रॉस द्वारा महम गेट स्थित पंडित सीताराम शास्त्री कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जारी पांच दिवसीय जिला स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस ट्रेनिंग कार्यक्रम के तीसरे दिन निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

ट्रेनिंग में जिला भर से 20 विद्यालयों के 100 जूनियर एवं 20 जूनियर रेडक्रॉस (जेआरसी) काउंसलरों ने भाग लिया। भिवानी रेडक्रॉस सचिव प्रदीप कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य जांच शिविर चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें चिकित्सकों की टीम द्वारा 100 बच्चों सहित 20 काउंसलरों के स्वास्थ्य की जांच की गई।